न्यायालय सिविल जज जूनियर डिविजन, बॉसगॉव–गोरखपुर।

सिविल वाद संख्या– 134/2001

तपसी–––––बनाम––––––––– रामसुभग

निस्तारण प्रार्थना–पत्र 40ग

दिनांक 07.09.2022:–

पत्रावली प्रस्तुत। पुकार पर उभयपक्ष जरिए अधिवक्ता उपस्थित। पत्रावली वास्ते निस्तारण प्रार्थना–पत्र 40ग नियत है। प्रार्थना–पत्र 40ग वादी की ओर से इस आशय का प्रस्तुत किया गया है कि उसकी तरफ से वाद में कुछ अहम सबूत दाखिल होना आवश्यक है जिसके दाखिल हुए बिना उसे हकरसी प्राप्त होना सम्भव नहीं है। उपरोक्त तथ्यों के आधार पर दाखिल सबूत को सामिल मिसिल किए जाने की याचना की गयी है। प्रार्थना–पत्र के साथ वादी की तरफ से सूची 41ग से वाद संख्या–688/1991 की अर्जीदावा की नकल कागज संख्या 42ग/1 ता 42ग/5, वाद संख्या–688/1991 प्रतिवाद–पत्र की नकल कागज संख्या 43ग/1 ता 43ग/7 , नकल रिपोर्ट कागज संख्या–44ग/1 ता 44ग/2 , नकल नक्शा कागज संख्या 44ग/3 ता 44ग/4 , नकल रिपोर्ट 45ग/1 ता 45ग/2 , नकल नक्शा कागज संख्या 46ग/1 ता 46ग/2, नकल बयान कागज संख्या 46ग/3 ता 46ग/4 दाखिल किया गया है।

प्रार्थना–पत्र पर आपत्ति का पृष्ठांकन किया गया है तथा निरस्त किए जाने की याचना की गयी है।

सुना, पत्रावली अवलोकित। दाखिल कागजात को स्वीकार किया जाना न्यायोचित होगा। प्रार्थना–पत्र 40ग न्यायहित में स्वीकार किये जाने योग्य है।

आदेश

प्रार्थना–पत्र 40ग स्वीकार किया जाता है। दाखिल सबूत पत्रावली पर रखा जाए। पत्रावली दिनांक 10.10.2022 को पेश हो।

–––सिविल जज जू0डि0, बॉसगॉव
गोरखपुर।